भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 278

दिनांक 22 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मानसिक तनाव से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ

278. # **श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकियाः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में मानसिक तनाव से उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर शोध करने के लिए मंत्रालय ने राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर क्या कदम उठाए हैं; और
(ख) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निम्न आय और निम्न-मध्यम वर्ग के परिवार निजी मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, मंत्रालय ने राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर क्या उपाय किए हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): निमहांस के द्वारा 2016 में आयोजित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएमएचएस) ने मानसिक स्वास्थ्य की व्यापकता और उपचार अंतराल पर महत्वपूर्ण डेटा प्रदान किया, जो परिणाम संकेतकों का आकलन करने और मानसिक स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रमों की भविष्य की दिशाओं को आकार देने में मदद करता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) साक्ष्य-आधारित मनोसामाजिक हस्तक्षेपों और समुदाय-आधारित दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान को आगे बढ़ाती है।

मानसिक विकारों के बोझ का समाधान करने के लिए भारत सरकार देश में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम लागू कर रही है। एनएमएचपी के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) घटक को 767 जिलों में कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दी गई है जिसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान की जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी)और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र(पीएचसी) स्तरों पर डीएमएचपी के तहत उपलब्ध कराई गई सुविधाओं में अन्य बातों के साथ-साथ बहिरंग रोगी सेवाएं, मूल्यांकन, परामर्श/मनो-सामाजिक हस्तक्षेप , गंभीर मानसिक विकारों वाले व्यक्तियों की निरंतर देखभाल और सहायता, दवाएं, आउटरीच सेवाएं, एम्बुलेंस सेवाएं आदि शामिल हैं। उपर्युक्त सेवाओं के अतिरिक्त, जिला स्तर पर 10 बिस्तरों वाले अंतरंग रोगी सुविधाकेंद्र का प्रावधान है।

सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी कदम उठा रही है। सरकार ने 1.77 लाख से अधिक उप स्वास्थ्य केन्द्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी) का आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उन्नयन किया है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रदान की जाने वाली व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के तहत सेवाओं के पैकेजों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को जोड़ा गया है। आयुष्मान भारत के दायरे में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मानसिक, न्यूरोलॉजिकल और मादक पदार्थों के उपयोग संबंधी विकारों (एमएनएस) पर विभिन्न कैडरों के लिए परिचालन दिशानिर्देश और प्रशिक्षण मैनुअल जारी किए गए हैं।

एनएमएचपी के विशिष्ट परिचर्या घटक के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञताओं में स्नातकोत्तर छात्रों की दाखिला संख्या बढ़ाने के साथ-साथ, विभागों में विशिष्ट स्तर की उपचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए 25 उत्कृष्टता केन्द्रों को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञताओं में 47 स्नातकोत्तर विभागों को सुदृढ़ करने के लिए 19 सरकारी मेडिकल कालेजों/संस्थाओं को भी सहायता प्रदान की है।

देश में 47 सरकारी मानसिक अस्पताल चलाए जा रहे हैं, जिनमें 3 केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, नामतः राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, तेजपुर, असम और केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची शामिल हैं। सभी एम्स में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का भी प्रावधान है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और देखभाल सेवाओं तक पहुंच में और सुधार करने के लिए 10 अक्टूबर, 2022 को "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" शुरू किया है। दिनांक 17.07.2025 तक, 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने 53 टेली मानस प्रकोष्ठों की स्थापना की है। टेली-मानस सेवाएं राज्यों द्वारा चुनी गई भाषा के आधार पर 20 भाषाओं में उपलब्ध हैं। हेल्पलाइन नंबर पर 23,82,000 से अधिक कॉल का निपटारा किया गया हैं।

सरकार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - 10 अक्टूबर, 2024 के अवसर पर टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन भी लॉन्च किया है। टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है, जिसमें स्वास्थ्य से लेकर मानसिक विकार शामिल हैं।

सरकार ने पहले से मौजूद ऑडियो कॉलिंग सुविधा के एक और उन्नयन के रूप में टेली-मानस के तहत वीडियो परामर्श सुविधा भी शुरू की है।

*****